झारखंड में ‘ए-हेल्प ’कार्यक्रम का शुभारंभ

चर्चा में क्यों?

10 अक्तूबर, 2023 को पशुपालन और डेयरी विभाग, भारत सरकार ने झारखंड में ‘ए-हेल्प’ (स्वास्थ्य और पशुधन उत्पादन के विस्तार के लिये मान्यताप्राप्त एजेंट) कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

- ## प्रमुख बिंदु
  - कार्यक्रम में झारखंड के कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री बादल पत्रलेख ने ‘ए-हेल्प’ कार्यक्रम के बारे में बताते हुए कहा कि इसका उद्देश्य महिलाओं को मान्यता प्राप्त एजेंट के रूप में शामिल करके सशक्त बनाना है। ये एजेंट रोग नियंत्रण, पशु टैगिंग और पशुधन बीमा में महत्त्वपूर्ण योगदान देती हैं।
  - उन्होंने कहा कि नई
  - से किसानों के दरवाज़े तक पशु चिकित्सा सेवाओं की पहुँच बढ़ेगी और इससे पशु सखियाँ सशक्त होंगी। यह सामाजिक-आर्थिक प्रगति को बढ़ावा देने, महिला शक्ति के उल्लेखनीय एकीकरण की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है।
  - सचिव, पशुपालन एवं डेयरी विभाग, भारत सरकार अलका उपाध्याय ने कार्यक्रम में वर्चुअल माध्यम से भाग लेते हुए कहा कि पशुधन उत्पादन के स्वास्थ्य और विस्तार के लिये मान्यताप्राप्त एजेंट (ए-हेल्प) नामक समुदाय-आधारित पदाधिकारियों का यह नया बैंड स्थानीय पशु चिकित्सा संस्थानों और पशुधन मालिकों के बीच रिक्त स्थान को भरने और प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराने के लिये तैयार किया गया है और यह पशुधन संसाधन व्यक्तियों और प्राथमिक सेवा प्रदाताओं के रूप में सेवा प्रदान करेगा।
  - गौरतलब है कि पशुपालन और डेयरी विभाग (डीएएचडी) ने ‘ए-हेल्प’ (स्वास्थ्य और पशुधन उत्पादन के विस्तार के लिये मान्यता प्राप्त एजेंट) नाम से एक अनूठी पहल शुरू की है और यह बिहार, गुजरात, जम्मू-कश्मीर, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड और झारखंड सहित विभिन्न राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों में पहले ही शुरू हो चुकी है।
  - पशुपालन और डेयरी विभाग (डीएएचडी) ने ग्रामीण विकास मंत्रालय (एमओआरडी), भारत सरकार के तहत डीएएचडी और राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के बीच हुए एक समझौता ज्ञापन के माध्यम से इस उल्लेखनीय पहल की शुरुआत की है।

//

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/a-help-program-launched-in-jharkhand